

कज़ाखस्तान में अशांति

प्रलम्ब के लिये:

कज़ाखस्तान और उसके निकटवर्ती देशों की भौगोलिक स्थिति, सोवियत संघ के देश।

मेन्स के लिये:

कज़ाखस्तान में वर्तमान अशांति के कारण, विश्व के संदर्भ में कज़ाखस्तान का महत्त्व, रूस की भूमिका और अशांतिका प्रभाव।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में ईंधन की कीमतों में तीव्र और अचानक वृद्धि ने कज़ाखस्तान में राष्ट्रीय संकट पैदा कर दिया, जिससे देश भर में हसिक वरिध प्रदर्शन हुए तथा सरकार को त्यागपत्र देना पड़ा।

- सरकार वरिधी प्रदर्शनों पर हसिक कार्रवाई के बीच, देश के सत्तावादी राष्ट्रपति के अनुरोध पर रूसी नेतृत्व वाली सेनाएं भी कज़ाखस्तान पहुंच गई हैं।
- इससे पहले भारत के रक्षा मंत्री ने [नई दिल्ली में कज़ाखस्तान गणराज्य के रक्षा मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता की।](#)



Unrest in Kazakhstan
The once stable but repressive Kazakhstan has been thrown into chaos with dozens reported dead in violent protests and Russia sending troops to quell the unrest

ALMATY IN CHAOS DOZENS DEAD

JAN. 5: Tokayev sacks his Cabinet in a bid to head off the unprecedented unrest but protesters gather again, blocking roads and storming Almaty's local government headquarters

JAN. 6: Tokayev says "terrorists" are seizing buildings, infrastructure and small arms, and battling security forces

LPG PRICE HIKE

JAN. 2: Protests erupt in the town of Zhanaozen in the oil-rich western Mangystau region over a New Year increase in prices for LPG

STATE OF EMERGENCY

Later that night, President Kassym-Jomart Tokayev (above) imposes a state of emergency in the city and in the restive west after saying he would cut the price of LPG

APPEAL TO MOSCOW

Tokayev appeals for help to quell the protests from the Moscow-led Collective Security Treaty Organisation

Russian paratroopers are dispatched

13 security officers have been killed and 353 wounded in the unrest, local media report. The Health Ministry says 1,000 people have been wounded

Unrest spreads to the regional hub of Aktau on the ex-Soviet country's Caspian Sea coast

JANUARY 4: Thousands take to the streets of Almaty, the largest city, with police firing tear gas and stun grenades

प्रमुख बदि

■ अशांतिका कारण:

- तेल समृद्ध मध्य एशियाई राष्ट्र में ईंधन की कीमतों के दोगुने होने के बाद गुस्साए कज़ाखस्तान के लोग पहली बार सड़कों पर उस समय उतरे, जब सरकार ने सामान्यतः वाहनों में इस्तेमाल होने वाली [तरल पेट्रोलियम गैस \(LPG\)](#) के लिये प्राइस कैप (Price Caps) को हटा दिया।
- आयल सर्टिफ़ाईड इन्वेंचन में वरिध प्रदर्शन शुरू हुआ, जहाँ 2011 में खराब काम करने की स्थितिका वरिध कर रहे कम-से-कम 16 तेल शर्मिकों को पुलसि ने मार डाला था।
- देश भर के शहरों और कस्बों में प्रदर्शन शुरू हो गए और तेजी से हसिक हो गए, जसि कज़ाखस्तान के इतहास में वरिध की सबसे बड़ी लहर कहा जा रहा है।
 - सोवयित संघ के पतन के बाद से कज़ाखस्तान में काफी हद तक स्थरि नरिंकुशता (Stable Autocracy) रही है, जहाँ इस पैमाने का वदिरुह 1980 के दशक के बाद से नहीं देखा गया है।
 - नरिंकुशता कसिी देश की सरकार की एक प्रणाली है जसिमें एक व्यक्तिके पास पूरी शक्ति होती है।
- प्रदर्शनकारियों ने सरकार के इस्तीफे की मांग की है।
- उन्होंने तर्क दिया है किकीमतों में उछाल खाद्य कीमतों में भारी वृद्धिका कारण बनेगा और आय असमानता को बढ़ाएगा, जसिने दशकों से देश को त्रस्त किया है।
 - अभी पछिले वर्ष (2021) ही देश में मुद्रास्फीतवर्ष-दर-वर्ष आधार पर 9% तक बढ़ गई थी, यह बीते पाँच वर्षों में सबसे अधिक थी।

■ लोकतंत्र की मांग:

- यद्यपि देश में ईंधन काफी सस्ता है, कति बढ़ती आय असमानता को लेकर कज़ाखस्तान के आम लोगों के बीच असंतोष बढ़ रहा है, जो किकोरोना वायरस महामारी तथा लोकतंत्र की कमी के कारण और भी गंभीर हो गया है।
- जबकि देश राजनीतिक रूप से स्थरि होकर लाखों डॉलर के वदिशी नविश को आकर्षित करने में सक्षम रहा है, मौलिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के लिये वर्षों से इसकी सत्तावादी सरकार की व्यापक रूप से आलोचना की गई है।

■ वरिध का महत्त्व:

○ वशिव के लयि:

- रूस और चीन के बीच स्थिति कज़ाखस्तान दुनिया का सबसे बड़ा लैंडलॉक देश है, जो पूरे पश्चिमी यूरोप से भी बड़ा है, हालाँकि इसकी आबादी सरिफ 19 मिलियन है।
 - इसके पास वशिल खनजि संसाधन मौजूद हैं, जसिमें 3% वैश्विक तेल भंडार और महत्त्वपूर्ण कोयला और गैस क्षेत्र हैं।
 - यह [युरेनियम](#) का शीर्ष वैश्विक उत्पादक है, जसिकी कीमतों में अस्थरिता के बाद 8% की वृद्धि हुई है।
 - देश [बटिकॉइन](#) के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा माइनर भी है।
- बड़ी रूसी अल्पसंख्यक आबादी के साथ यह मुख्य रूप से मुस्लिम गणराज्य है, यह मध्य एशिया के अन्य हसिसों में देखे गए नागरिक संघर्ष से अब तक काफी हद तक सुरक्षित रहा है।
- नवीनतम प्रदर्शन इस लहाज़ से महत्त्वपूर्ण है किकदेश को अब तक एक अस्थरि क्षेत्र में राजनीतिक और आर्थिक स्थरिता के स्तंभ के रूप में माना जाता है, हालाँकि यहाँ यह स्थरिता एक दमनकारी सरकार की कीमत पर आई है जो असंतोष को दबाती है।

○ रूस के लयि:

- वरिध इसलिये भी महत्त्वपूर्ण है क्योकिकज़ाखस्तान को रूस के साथ जोड़ दिया गया है, जसिके राष्ट्रपति रूस के प्रभाव क्षेत्र के हसिसे के रूप में देश को अपनी आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों के मामले में रूस के लिये एक नकिया के रूप में देखते हैं।
 - [सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन द्वारा हस्तक्षेप, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन \(नाटो\) का एक रूसी संस्करण](#), पहली बार है किकइसके संरक्षण क्षेत्र को एक ऐसा कदम लागू किया गया है जो संभावित रूप से इस क्षेत्र में भू-राजनीतिक के लिये व्यापक परिणाम प्रदर्शित कर सकता है।
 - वर्ष 2014 में [युक्रेन](#) में और वर्ष 2020 में [बेलारूस](#) में लोकतंत्र समर्थक वरिध प्रदर्शनों के बाद एक सत्तावादी रूस-गठबंधन राष्ट्र के खिलाफ तीसरा वदिरुह है।
 - अराजकता इस क्षेत्र में रूस की क्षमता को कम करने की धमकी देती है जब रूस, युक्रेन और बेलारूस जैसे देशों में अपनी आर्थिक और भू-राजनीतिक शक्तिका दावा करने की कोशिश कर रहा है।
- [पूर्व सोवयित संघ के देश भी वरिध प्रदर्शनों](#) को करीब से देख रहे हैं और कज़ाखस्तान की घटनाओं से कहीं और वपिक्षी ताकतों को सक्रिय करने में मदद मलि सकती है।

○ अमेरिका के लयि:

- कज़ाखस्तान अमेरिका के लिये भी मायने रखता है, क्योकियह अमेरिकी ऊर्जा चिंताओं के लिये एक महत्त्वपूर्ण देश बन गया है, एक्सॉन मोबिल और शेवरोन ने पश्चिमी कज़ाखस्तान में अरबों डॉलर का नविश किया है।
- संयुक्त राज्य सरकार लंबे समय से रूस और बेलारूस की तुलना में कज़ाखस्तान में उत्तर सोवयित सत्तावाद की कम आलोचक रही है।

■ सरकार की प्रतिक्रिया:

- कज़ाखस्तान पर हमले के संदर्भ में सरकार ने प्रदर्शनकारियों को "आतंकवादियों का एक समूह" घोषित किया और रूसी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन को हस्तक्षेप करने के लिये कहा।
- सरकार ने आपातकाल की स्थिति स्थापित करके और सोशल नेटवर्क साइटों तथा चैट ऐप्स को अवरोध करके प्रदर्शनों को शांत करने का भी प्रयास किया है।
- बनि परमटि के सार्वजनिक वरिध पहले से ही अवैध थे। इसने शुरू में प्रदर्शनकारियों की कुछ मांगों को स्वीकार कर लिया, कैबिनेट को

खारज़ि कर दिया और संसद के संभावित वधितन की घोषणा की, जिसके परिणामस्वरूप नए चुनाव होंगे। लेकिन इसके अब तक के कदम असंतोष पर काबू पाने में वफिल रहे हैं।

■ वैश्विक प्रतिक्रिया:

- [संयुक्त राष्ट्र \(यूएन\)](#), अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने सभी पक्षों से हिसा से दूर रहने का आह्वान किया है।
- भारत कज़ाखस्तान की स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और भारतीयों की वापसी में मदद करेगा।

आगे की राह

- अमेरिका और दुनिया के अन्य प्रमुख देशों को कज़ाखस्तान के अधिकारियों को इंटरनेट बंद न करने और हिसा से बचने के लिये प्रेरित करने की ज़रूरत है।
- दीर्घावधि में संयुक्त राष्ट्र को कज़ाखस्तान पर वैध रूप से स्वतंत्र और नष्पक्ष चुनाव कराने के लिये दबाव डालना चाहिये अन्यथा वहाँ अधिक से अधिक वरिधी गतविधियाँ उत्पन्न होंगी।

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/unrest-in-kazakhstan>

